

## The Child Labour (Prohibition and Regulation) Rules, 1988

Labour Department Notification No. G.S.R. 847(E) dated 10th August, 1988\*.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18 of the Child Labour (Prohibition and Regulation) Act, 1986 (61 of 1986), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Child Labour (Prohibition and Regulation) Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- "Act" means the Child Labour (Prohibition and Regulation) Act, 1986 (61 of 1986);
- "Committee" means the Child Labour Technical Advisory Committee constituted under sub-section (1) of section 3 of the Act;
- "Chairman" means the Chairman of the Committee appointed under sub-section (2) of section 5 of the Act;
- "Form" means a Form appended to these rules;
- "register" means the register required to be maintained under section 11 of the Act;
- "Schedule" means the Schedule appended to the Act;
- "section" means a section of the Act.

3. Term of office of the members of the Committee.—(1) The term of office of the members of the Committee shall be one year from the date on which their appointment is notified in the Official Gazette :

Provided that the Central Government may extend the term of office of the member of the Committee for a maximum period of two years :

Provided further that the member shall, notwithstanding the expiration of his term, continue to hold office until his successor enters upon his office.

(2) The members appointed under sub-rule (1) shall be eligible for re-appointment.

4. Secretary to the Committee.—The Central Government may appoint an officer not below the rank of an Under Secretary to the Government of India as Secretary of the Committee.

\* Published in the Gazette of India (Extraordinary) Part II Section 3(i) dated 10-8-88 Pages 5-8.  
(12)

## बालक श्रम ( प्रतिषेध और विनियमन ) नियम, 1988

श्रम मंत्रालय अधिसूचना क्रमांक सा० का० नि० 847 ( अ ) दिनांक 10 अगस्त, 1988\*.—केन्द्रीय सरकार बालक श्रम ( प्रतिषेध और विनियमन ) अधिनियम, 1986 ( 1986 का 61 ) की धारा 18 की उपधारा ( 1 ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम बालक श्रम ( प्रतिषेध और विनियमन ) नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में जब तक सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- "अधिनियम" से बालक श्रम ( प्रतिषेध और विनियमन ) अधिनियम, 1986 ( 1986 का 61 ) अभिप्रेत है;
- "समिति" से अधिनियम की धारा 5 की उपधारा ( 1 ) के अधीन गठित बालक श्रम तकनीकी सलाहकार समिति अभिप्रेत है;
- "अध्यक्ष" से धारा 5 की उपधारा ( 2 ) के अधीन नियुक्त समिति का अध्यक्ष अभिप्रेत है;
- "प्ररूप" से इन नियमों से उपाबद्ध प्ररूप अभिप्रेत है;
- "रजिस्टर" से अधिनियम की धारा 11 के अधीन रखे जाने के लिए अपेक्षित रजिस्टर अभिप्रेत है;
- "अनुसूची" से अधिनियम से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है।
- "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है।

3. समिति के सदस्यों की पदावधि.—(1) समिति के सदस्यों की पदावधि राजपत्र में उनकी नियुक्ति अधिसूचित की जाने की तारीख से एक वर्ष की होगी :

परन्तु केन्द्रीय सरकार समिति के सदस्य की पदावधि अधिकतम दो वर्ष के लिए बढ़ा सकेगी :

परन्तु यह और कि सदस्य अपनी पदावधि के समाप्त होने पर भी तब तक पद धारण करता रहेगा जब तक कि उसका पदोत्तरवर्ती अपना पद ग्रहण नहीं कर लेता है।

(2) उपनियम ( 1 ) के अधीन नियुक्त सदस्य पुनर्नियुक्ति के पात्र होंगे।

4. समिति का सचिव.—केन्द्रीय सरकार ऐसे व्यक्ति को, जो भारत सरकार के अवर सचिव की पंक्ति के नीचे का न हो, समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त कर सकेगी।

\* भारत का राजपत्र ( असाधारण ) भाग II खण्ड 3(i) दिनांक 10-8-88 पृष्ठ 1-4 पर प्रकाशित।  
(12)

**5. Allowances to non-official members.**—The non-official members and Chairman of the Committee shall be paid such fees and allowances as may be admissible to the officers of the Central Government drawing a pay of four thousand and five hundred or above.

**6. Resignation.**—(1) A member may resign his office by writing under his hand addressed to the Chairman.

(2) The Chairman may resign his office by writing under his hand addressed to the Central Government.

(3) The resignation referred to in sub-rule (1) and sub-rule (2) shall take effect from the date of its acceptance or on the expiry of thirty days from the date of receipt of such resignation, whichever is earlier, by the Chairman or the Central Government, as the case may be.

**7. Removal of Chairman or member of the Committee.**—The Central Government may remove the Chairman or any member of the Committee at any time before the expiry of the term of office after giving him a reasonable opportunity of showing cause against the proposed removal.

**8. Cessation of membership.**—If a member—

- is absent without leave of the Chairman for three or more consecutive meetings of the Committee; or
- is declared to be of unsound mind by a competent Court; or
- is or has been convicted of any offence which, in the opinion of the Central Government, involves moral turpitude; or
- is, or at any time, has been adjudicated insolvent or has suspended his debts or has compounded with his creditors,

shall cease to be member of the Committee.

**9. Filling up of casual vacancies.**—In case a member resigns his office under rule 6 or ceases to be a member under rule 8, the casual vacancy thus caused shall be filled up by the Central Government and the member so appointed shall hold office for the unexpired portion of the term of his predecessor.

**10. Time and place of meetings.**—The Committee shall meet at such times and places as the Chairman may fix in this behalf.

**11. Notice of meetings.**—The Secretary to the Committee shall give at least seven days notice to every member of the Committee of the time and place fixed for each meeting along with the list of business to be transacted at the said meeting.

**12. Presiding at meetings.**—The Chairman shall preside at every meeting of the Committee at which he is present; if, however, the Chairman is unable to attend a meeting, any member elected by the members present among themselves shall preside at the meeting.

**13. Quorum.**—No business shall be transacted at a meeting of the Committee unless at least three members of the Committee other than the Chairman and the Secretary are present:

Provided that at any meeting in which less than three of the total members are present, the Chairman may adjourn the meeting to a date as he deems fit and inform the members present and notify other members that the business of the

**5. गैर सरकारी सदस्यों के भत्ते.**—समिति के गैर सरकारी सदस्यों को ऐसी फीस और भत्ते संदत्त किये जायेंगे, जो केन्द्रीय सरकार के चार हजार पांच सौ रुपये या उससे अधिक वेतन पाने वाले अधिकारियों को अनुज्ञेय हों।

**6. त्याग पत्र.**—(1) कोई सदस्य अध्यक्ष को सम्बोधित स्वहस्ताक्षरित लेख द्वारा अपना पद त्याग सकेगा।

(2) अध्यक्ष केन्द्रीय सरकार को सम्बोधित स्वहस्ताक्षरित लेख द्वारा अपना पद त्याग सकेगा।

(3) उप नियम (1) और (2) में निर्दिष्ट त्यागपत्र अध्यक्ष या केन्द्रीय सरकार द्वारा, यथास्थिति, स्वीकार किये जाने की तारीख से या ऐसे त्याग पत्र की प्राप्ति की तारीख से तीस दिन की समाप्ति पर, जो भी पूर्ववर्ती हो, प्रभावी होगा।

**7. समिति के अध्यक्ष या सदस्य का हटाया जाना.**—केन्द्रीय सरकार समिति के अध्यक्ष या किसी भी सदस्य की पदावधि की समाप्ति के पूर्व किसी समय उसको हटाये जाने की प्रस्थापना के विरुद्ध उसका कारण दर्शित करने का युक्तियुक्त अवसर देने के पश्चात् उसे हटा सकेगी।

**8. सदस्यता की समाप्ति.**—यदि कोई सदस्य—

- समिति की लगातार तीन या अधिक बैठकों में अध्यक्ष की इजाजत के बिना अनुपस्थित रहता है; या
- किसी सक्षम न्यायालय द्वारा विकृत चित्त घोषित किया जाता है;
- ऐसे अपराध का दोषी है या उसके लिए सिद्ध किया गया है जिसमें केन्द्रीय सरकार की राय में नैतिक अद्यमता अन्तर्बलित है; या
- दिवालि या अधिनिर्णीत किया गया है या किसी समय रहा है या उसने अपने ऋण को निलंबित रखा है या अपने लेनदारों के साथ प्रशमन किया है,

तो वह समिति का सदस्य नहीं रहेगा।

**9. आकस्मिक रिक्तियों का भरा जाना.**—यदि कोई सदस्य नियम 6 के अधीन अपना पद त्यागता है, या नियम 8 के अधीन सदस्य नहीं रहता है, तो इस प्रकार कारित आकस्मिक रिक्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा भरी जायेगी और इस प्रकार नियुक्त किया गया सदस्य अपने पद पूर्ववर्ती की अवधि के अनवसित भाग के लिए पद धारण करेगा।

**10. बैठकों का समय और स्थान.**—समिति ऐसे समयों और स्थानों पर बैठक करेगी, जिसे अध्यक्ष इस निमित्त नियत करें।

**11. बैठकों की सूचना.**—समिति का सचिव प्रत्येक बैठक के लिये नियत समय और स्थान की कम से कम 7 दिन की सूचना उक्त बैठक में संव्यवहृत किये जाने वाले कारबार की सूची के साथ समिति के प्रत्येक सदस्य को देगा।

**12. बैठकों की अध्यक्षता.**—अध्यक्ष समिति की प्रत्येक बैठक की, जिसमें वह उपस्थित हो, किन्तु यदि अध्यक्ष किसी बैठक में उपस्थित होने में असमर्थ हो, तो उपस्थित सदस्यों द्वारा निर्वाचित कोई सदस्य बैठक की अध्यक्षता करेगा।

**13. गणपूर्ति.**—समिति की किसी बैठक में, जब तक अध्यक्ष और सचिव के अतिरिक्त समिति के कम से कम तीन सदस्य उपस्थित न हों, किसी कारबार का संव्यवहार नहीं किया जायेगा:

परन्तु ऐसी किसी बैठक में, जिसमें कुल सदस्यों में से तीन से कम सदस्य उपस्थित हों, अध्यक्ष बैठक को ऐसी किसी तारीख के लिए, जिसे वह उचित समझे, स्थगित कर सकेगा और उपस्थित सदस्य को इसकी सूचना देगा तथा अन्य सदस्यों को अधिसूचित करेगा कि अनुसूचित बैठक का



scheduled meeting shall be disposed of at the adjourned meeting irrespective of the quorum and it shall be lawful to dispose of the business at such adjourned meeting irrespective of the number of members attending the meeting.

**14. Decision by majority.**—All questions considered at a meeting of the Committee shall be decided by a majority of votes of the members present and voting and in the event of equality of votes, the Chairman, or in the absence of the Chairman, the member presiding at the meeting, as the case may be, shall have a second or casting vote.

**15. Sub-Committees.**—The Committee may constitute one or more Sub-Committees, whether consisting only of members of the Committee or partly of members of the Committee and partly of other persons as it thinks fit, for such purposes, as it may decide and any Sub-Committee so constituted shall discharge such functions as may be delegated to it by the Committee.

**16. Register to be maintained under section 11 of the Act.**—(1) Every occupier of an establishment shall maintain a register in respect of children employed or permitted to work, in Form A.

(2) The register shall be maintained on a yearly basis but shall be retained by the employer for a period of three years after the date of the last entry made therein.

**17. Certificate of age.**—(1) All young persons in employment in any of the occupations set forth in Part A of the Schedule or in any workshop wherein any of the processes set forth in Part B of the Schedule is carried on, shall produce a certificate of age from the appropriate medical authority, whenever required to do so by an Inspector.

(2) The certificate of age referred to in sub-rule (1) shall be issued in Form B.

(3) The charges payable to the medical authority for the issue of such certificate shall be the same as prescribed by the State Government or the Central Government, as the case may be, for their respective Medical Boards.

(4) The charges payable to the medical authority shall be borne by the employer of the young person whose age is under question.

**Explanation.**—For the purposes of sub-rule (1), the appropriate "Medical Authority" shall be Government medical doctor not below the rank of an Assistant Surgeon of a District or a regular doctor of equivalent rank employed in Employees' State Insurance dispensaries or hospitals.

#### FORM A

[See rule 16(1)]

Year.....					
Name and address of employer.....			Place of work.....		
Nature of work being done by the establishment.....					
Sl. No.	Name of child	Father's name	Date of birth	Permanent address	Date of joining the establishment
1	2	3	4	5	6

कारबार गणपूर्ति का ध्यान दिये बिना ही स्थगित बैठक में निपटारा जाएगा और यह विधि पूर्ण होगा कि ऐसी स्थगित बैठक में कारबार का निपटारा बैठक में उपस्थित सदस्यों की संख्या का ध्यान किये बिना ही किया जाए।

**14. बहुमत द्वारा विनिश्चय.**—समिति की बैठक में विचार किये गये सभी प्रश्नों का विनिश्चय उपस्थित सदस्यों के बहुमत और मतदान द्वारा किया जायेगा और मतों के बराबर होने की दशा में, यथा स्थिति अध्यक्ष या अध्यक्ष की अनुपस्थिति में बैठक की अध्यक्षता करने वाले सदस्यों का दूसरा या निर्णायक मत होगा।

**15. उप समितियाँ.**—समिति एक या अधिक उप समितियाँ, जिसमें चाहे केवल समिति के ही सदस्य हों या जिसमें भागतः सदस्य समिति के और भागतः अन्य व्यक्ति, जिन्हें वह योग्य समझे, हों, ऐसे प्रयोजनों के लिए, जिसका वह विनिश्चय करेगी, गठित कर सकेगी, और इस प्रकार गठित कोई समिति ऐसे कृत्यों का निर्वहन करेगी जो उसे समिति द्वारा प्रत्यायोजित किये जाएँ।

**16. अधिनियम की धारा 11 के अधीन रखा जाने वाला रजिस्टर.**—(1) स्थापन के प्रत्येक अधिष्ठाता ऐसे बालकों के सम्बन्ध में, जो नियोजित हैं या जिन्हें कार्य करने के लिए अनुज्ञात किया गया है, प्ररूप अ में एक रजिस्टर रखेगा।

(2) रजिस्टर वार्षिक आधार पर रखा जाएगा किन्तु उसे नियोजक द्वारा उसमें की गई अन्तिम प्रविष्टि की तारीख के पश्चात् तीन वर्ष की कालावधि के लिए रखा जायेगा।

**17. आयु सम्बन्धी प्रमाणपत्र.**—ऐसे सभी अल्पवय्य व्यक्ति, जो अनुसूची के भाग क में उपवर्णित उपजोविकाओं में से किसी में या किसी कर्मशाला में, जहाँ अनुसूची के भाग ख में वर्णित प्रक्रियायें की जाती हैं नियोजित हैं, जब कभी निरीक्षक द्वारा ऐसी अपेक्षा की जाये, तो समुचित चिकित्सा प्राधिकारी से आयु प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे।

(2) उप नियम (1) में निर्दिष्ट आयु प्रमाणपत्र प्ररूप "अ" में जारी किया जायेगा।

(3) ऐसा प्रमाणपत्र जारी करने के लिए चिकित्सा प्राधिकारी को संदेय प्रभार वही होंगे जो यथा स्थिति, राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अपने चिकित्सा बोर्डों के लिए विहित किए गए हैं।

(4) चिकित्सा प्राधिकारी को संदेय प्रभार, ऐसे अल्पवय्य व्यक्ति के, जिसकी आयु प्रश्नगत है, नियोजक द्वारा वहन किए जाएँगे।

**स्पष्टीकरण.**—उपनियम (1) के प्रयोजन के लिए समुचित "चिकित्सा प्राधिकारी" ऐसा सरकारी चिकित्सा डॉक्टर होगा, जो किसी जिले के सहायक सर्जन की पंक्ति का न हो या जो कर्मचारी राज्य बीमा औषधालयों या अस्पतालों में नियोजित समतुल्य पंक्ति का नियमित डाक्टर हो।

"प्ररूप अ"

[नियम 16 (1) देखिए]

वर्ष.....

नियोजक का नाम और पता..... कार्यस्थल.....

स्थापना द्वारा किये जाने वाले कार्य की प्रकृति.....

क्रम सं०	बालक का नाम	पिता का नाम	जन्म की तारीख	स्थायी पता	स्थापन कार्य ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4	5	6

Name of the work on which employed	Daily hours of work	Intervals of rest	Wages paid	Remarks
7	8	9	10	11

## FORM B

[See rule 17(2)]

## Certificate of age

Certificate No.....

I hereby certify that I have personally examined (name) ..... and that he/she son/daughter of ..... residing at ..... has completed his/her fourteenth year and his/her age, as nearly as can be ascertained from my examination, is ..... years (completed). His/her descriptive marks are.....

Place .....  
Date .....

Thumb impression/Signature of child.....

Medical Authority  
Designation

कार्य की प्रकृति जिसमें वह नियोजित है	दैनिक कार्य घण्टे	विश्राम के अंतराल	संदत मजदूरी	टिप्पणियाँ
7	8	9	10	11

## "प्ररूप आ"

[नियम 17 (2) देखिए]

## आयु प्रमाणपत्र

प्रमाणपत्र संख्या .....

मैं प्रमाणित करता हूँ कि मैंने श्री..... पुत्र/पुत्री श्री..... की निवासी है, की व्यक्तिगत रूप से परीक्षा की है और यह कि उसने अपना चौदहवां वर्ष (आयु का) पूरा कर लिया है और उसकी आयु मेरे द्वारा की गई परीक्षा से यथा शक्य निकटतम सुनिश्चित किया जा सकता है ..... वर्ष (पूरी) है।

बालक के अंगूठे की छाप/हस्ताक्षर

स्थान .....  
दिनांक .....

चिकित्सा प्राधिकारी  
पदनाम

# The Children (Pledging of Labour) Act, 1933

No. 2 of 1933

[24th February, 1933]

An Act to prohibit the pledging of the labour of children.

Whereas it is expedient to prohibit the making of agreements to pledge the labour of children, and the employment of children whose labour has been pledged;

It is hereby enacted as follows :—

**1. Short title, extent and commencement.**—(1) This Act may be called the Children (Pledging of Labour) Act, 1933.  
(2) It extends to the whole of India.

(3) This section and sections 2 and 3 shall come into force at once, and the remaining sections of this Act shall come into force on the first day of July, 1933.

**2. Definitions.**—In this Act, unless there is anything repugnant in the subject or context,—

“an agreement to pledge the labour of a child” means an agreement, written or oral, express or implied, whereby the parent or guardian of a child, in return for any payment or benefit received or to be received by him, undertakes to cause or allow the services of the child to be utilised in any employment :

Provided that an agreement made without detriment to a child, and not made in consideration of any benefit other than reasonable wages to be paid for the child's services and terminable at not more than a week's notice, is not an agreement within the meaning of this definition;

“child” means a person who is under the age of fifteen years; and

“guardian” includes any person having legal custody of or control over a child.

**3. Agreements contrary to the Act to be void.**—An agreement to pledge the labour of a child shall be void.

**4. Penalty for parent or guardian making agreement to pledge the labour of a child.**—Whoever, being the parent or guardian of a child, makes an agreement to pledge the labour of that child, shall be punished with fine which may extend to fifty rupees.

**5. Penalty for making with a parent or guardian an agreement to pledge the labour of a child.**—Whoever makes with the parent or guardian of a child an agreement whereby such parent or guardian pledges the labour of the child, shall be punished with fine which may extend to two hundred rupees.

(16)

# बालक (श्रम-गिरवीकरण) अधिनियम, 1933

क्रमांक 2 सन् 1933

[24 फरवरी, 1933]

बालकों के श्रम को गिरवी करने का प्रतिषेध करने के लिए अधिनियम।

बालकों के श्रम को गिरवी करने के लिए करार करने का तथा उन बालकों के, जिनका श्रम गिरवी किया गया है, नियोजन का प्रतिषेध करना समीचीन है,  
अतः निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित किया जाता है—

**1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ.**—(1) यह अधिनियम बालक (श्रम-गिरवीकरण) अधिनियम, 1933 कहा जा सकेगा।  
(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है।

(3) यह धारा और धाराएं 2 और 3 तुरन्त प्रवृत्त होंगी और इस अधिनियम की शेष धाराएं 1933 की जुलाई के प्रथम दिन को प्रवृत्त होंगी।

**2. परिभाषाएं.**—इस अधिनियम में, जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई बात विरुद्ध न हो,—

“बालक के श्रम को गिरवी करने का करार” से ऐसा लिखित या मौखिक, अभिव्यक्त या विवक्षित करार अभिप्रेत है जिसके द्वारा बालक का माता-पिता या संरक्षक अपने द्वारा प्राप्त किए गए या प्राप्त किए जाने वाले किसी संदाय या प्रसुविधा के बदले में इस बात का वचनबद्ध करता है कि वह बालक की सेवाओं का उपयोग किसी नियोजन में किया जाना कारित या अनुज्ञात करेगा;

परन्तु ऐसा करार जो बालक को अपाय किए बिना किया गया हो और जो बालक की सेवाओं के लिए संदत्त की जाने वाली युक्तियुक्त मजदूरी से भिन्न किसी प्रसुविधा के प्रतिफल के लिए न किया गया हो और जो एक सप्ताह से अनधिक की सूचना पर पर्यवसेय हो, इस परिभाषा के अर्थ के अन्दर करार नहीं है;

“बालक” से पन्द्रह वर्ष से कम आयु का व्यक्ति अभिप्रेत है; तथा

“संरक्षक” के अन्तर्गत कोई ऐसा व्यक्ति आता है जो बालक की विधिक अभिरक्षा रखता है या उस पर नियंत्रण रखता है।

**3. इस अधिनियम के प्रतिकूल करारों का शून्य होना.**—बालक के श्रम को गिरवी करने का करार शून्य होगा।

**4. बालक के श्रम को गिरवी करने का करार करने वाले माता-पिता या संरक्षक के लिए शास्ति.**—जो कोई, किसी बालक का माता-पिता या संरक्षक होते हुए, बालक के श्रम को गिरवी करने का करार करेगा वह जुर्माने से, जो पचास रुपए तक का हो सकेगा, दण्डित किया जाएगा।

**5. माता-पिता या संरक्षक से बालक के श्रम को गिरवी करने का करार करने के लिए शास्ति.**—जो कोई बालक के माता-पिता या संरक्षक से ऐसा करार करेगा जिसके द्वारा ऐसा माता-पिता या संरक्षक बालक के श्रम को गिरवी करता है वह जुर्माने से, जो दो सौ रुपए तक का हो सकेगा, दण्डित किया जाएगा।

(16)



**6. Penalty for employing a child whose labour has been pledged.**  
Whoever, knowing or having reason to believe that an agreement has been made to pledge the labour of a child, in furtherance of such agreement employs such child, or permits such child to be employed in any premises or place under his control, shall be punished with fine which may extend to two hundred rupees.

**6. ऐसे बालक को नियोजित करने के लिए शास्ति जिसका श्रम गिरवी किया गया है।**—जो कोई, यह जानते हुए या वह विश्वास करने का कारण रखते हुए कि बालक के श्रम को गिरवी करने का करार किया गया है, ऐसे करार को अग्रसर करने में ऐसे बालक को नियोजित करेगा या अपने नियंत्रण के अधीन के किसी परिसर या स्थान में ऐसे बालक का नियोजित किया जाना अनुज्ञात करेगा वह जुर्माने से, जो दो सौ रुपए तक का हो सकेगा, दण्डित किया जाएगा।